



मुख्यमंत्री का कार्यालय

(जनसंपर्क कोषांग)

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या—cm-177
12/04/2020

मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना संक्रमण से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग के साथ गहन समीक्षा की

- जिला अस्पतालों एवं अनुमण्डलीय अस्पतालों में सामान्य मरीजों का उपचार शुरू करने का दिया निर्देश
- सबसे पहले आपातकालीन सेवा तथा संस्थागत प्रसव का कार्य होगा शुरू, तत्पश्चात ओपीडी सेवा होगी आरंभ
- आवश्यक दवाओं का क्रय हो, पर्याप्त उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाय
- गहन रूप से स्क्रीनिंग एवं टेस्टिंग का मुख्यमंत्री ने दिया निर्देश, हॉटस्पॉट के अगल-बगल के जिलों में भी सघन स्क्रीनिंग एवं टेस्टिंग कराने का निर्देश

पटना, 12 अप्रैल 2020 :- मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज 1 अणे मार्ग स्थित नेक संवाद में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कोरोना संक्रमण से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग के साथ गहन समीक्षा की। प्रधान सचिव स्वास्थ्य श्री संजय कुमार ने कोरोना संक्रमण से बचाव के लिये किये जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी।

स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव श्री संजय कुमार ने बताया कि कोरोना संक्रमण के मद्देनजर आवश्यक चिकित्सकीय सामग्री एवं उपकरणों की उपलब्धता को बनाये रखने के लिये सप्लाय चैन सिस्टम पर गंभीरतापूर्वक कार्य किया जा रहा है। आपातकालीन स्थितियों के लिये जरूरी चिकित्सकीय सामग्री की उपलब्धता को सुनिश्चित कराया जा रहा है। आईसीएमआर ने एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर को टेस्टिंग के लिये अनुमति दे दी है। एम्स पटना के लिये आवश्यक निर्देश दिया गया है, जिसके अनुरूप कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में सेनिटाइजर की पर्याप्त उपलब्धता है। वैशाली में सेनिटाइजर के निर्माण के अलावा राजगीर के ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में भी सेनिटाइजर बनाया जा रहा है, जिसकी आपूर्ति राज्य सरकार अपने लिये करायेगी चिकित्सकीय कार्य से जुड़े डॉक्टर, नर्स, पारा मेडिकल स्टाफ को जरूरी सुरक्षात्मक सामग्री भी उपलब्ध कराये जा रहे हैं। फ्रंटलाइन वर्कर को भी मास्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण के संकट से पूरी दुनिया गुजर रही है। सभी लोग इससे निपटने के लिये अपने-अपने स्तर से प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जरूरी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये दवाओं, पीपीई,

मास्क, ग्लब्स एवं अन्य जरूरी चिकित्सकीय सामानों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाय। परिस्थितियों पर नजर रखते हुये इन चीजों की उपलब्धता का आंकलन हमेशा करते रहें और उसकी आपूर्ति के लिये जरूरी कदम उठाये। केन्द्र सरकार से भी जिन चीजों की माँग की गयी है, उसके संबंध में निरंतर सम्पर्क में रहें। दवाओं एवं उपकरणों के क्रय हेतु राशि की कोई कमी नहीं होने दी जायेगी। कोरोना संक्रमण से निपटने के लिये कोरोना उन्मूलन कोष का गठन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टेस्टिंग किट्स, पीपीआई, एन-95 मास्क एवं वेंटिलेटर की उपलब्धता पर विशेष ध्यान रखें। सीमा पर आवश्यक सेवा में इस्तेमाल होने वाली गाड़ियों की भी सघन जाँच करायी जाय। जो भी लोग राज्य में बाहर से आते हैं, उनकी गहन स्क्रीनिंग करायी जाय ताकि कोई संदिग्ध मरीज न छूटे। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ पदाधिकारी इसका अनुश्रवण करें। राज्य में चार जगहों पर टेस्टिंग की सुविधा है। उन चार जगहों में और टेस्टिंग कैपिसिटी बढ़ायी जाय। जो मुझे जानकारी दी गयी है, एसकेएमसीएच, मुजफ्फरपुर में जाँच कार्य की अनुमति दे दी गयी है, जिसे जल्द शुरू किया जाय।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण के अलावा अन्य बीमारियों के इलाज के लिये भी कार्य करना होगा। जिला अस्पतालों एवं अनुमण्डलीय अस्पतालों में सामान्य मरीजों का उपचार शुरू किया जाय। प्रधान सचिव स्वास्थ्य ने बताया कि सबसे पहले आपातकालीन सेवा तथा संस्थागत प्रसव का कार्य शुरू करने की योजना है। उसके बाद ओपीडी सेवा भी प्रारंभ कर दी जायेगी ताकि अन्य मरीजों के उपचार में कोई दिक्कत न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला एवं अनुमण्डल अस्पतालों में प्रोटेक्शन नॉमर्स का पूर्ण पालन हो। पीपीआई, मास्क, ग्लब्स उपलब्ध हो, इसे सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि सभी निजी अस्पतालों में भी सामान्य मरीजों का इलाज आरंभ होना चाहिये। मुख्यमंत्री ने एंबुलेंस सेवाओं को लेकर भी सख्त निर्देश दिया है। उन्होंने कोविड-19 के साथ ही अन्य मरीजों के लिये भी एंबुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। निजी एंबुलेंस संचालक को भी पर्याप्त ट्रेनिंग देकर एंबुलेंस को उपयोग में लाया जाना चाहिये और एंबुलेंस की व्यवस्था सभी के लिये हो। उन्होंने कहा कि जरूरी दवाओं की खरीद करें ताकि पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता बनी रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एईएस और जापानी इंसेप्लाइटिस से निपटने के लिये पर्याप्त तैयारी रखें। पेडियाट्रिक इन्टेंसिव केयर यूनिट (पीकू) अस्पताल को अविलम्ब पूर्ण कर इलाज के लिये तैयार रखें। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुये जेई के पूर्ण टीकाकरण का कार्य आरंभ होना चाहिये और इस कार्य में लगाये जाने वाले मेडिकल स्टाफ की भी सुरक्षा का ध्यान रखा जाना चाहिये।

मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि जिन्हें भी संक्रमण की थोड़ी भी आशंका हो तो वे जाँच केन्द्र पर जाकर जाँच करायें, इससे उनके परिवार एवं आसपास के लोग भी सुरक्षित रहेंगे। जो लोग बिहार से बाहर या देश से बाहर की यात्रा कर आये हैं, वे अपनी ट्रेवल हिस्ट्री को न छिपायें। इससे उन्हें तो खतरा है ही, उनके सम्पर्क में आने वाले अपने लोगों को भी खतरा है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों के द्वारा दिये गये निर्देशों का लोग पालन करें।

बैठक में मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार एवं मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय, प्रधान सचिव स्वास्थ्य श्री संजय कुमार, सचिव स्वास्थ्य सह जल संसाधन श्री संजीव हंस, सचिव स्वास्थ्य श्री लोकेश कुमार सिंह एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरीय अधिकारी जुड़े हुये थे।
